Date
14/05/20

B.Ed = IInd

Sub- "Work Education, Gandhyi's Nai Talim & Community Engagement."

अपशिष्ट प्रबन्धन

वर्तमान में कचरा भी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। आज कचरा प्रबन्धन, पुनः उपयोग और पुनर्निर्माण समय की माँग है। समाज में हर जगह कचरे के ढेर बने हुए है जिससे अनेक बिमारियाँ तथा पशुओं के लिए भी बहुत हानिकारक है। यदि इसका दहन किया जाए तो इससे जहरीली गैस उत्पन्न होती है जो मानवीय या प्राणियों के लिए बहुत ही विनाशकारी है। अपशिष्ट प्रबन्धन परिवहन, संसाधन अपशिष्ट के नाम से प्रयोग की जाने वाली सामग्री का संग्रह है। यह शब्द आमतौर पर उस सामग्री की ओर संकेत करता है जो मानव द्वारा निर्मित होता है। कचरा निस्तारण, रिसायक्लिंग, कचरे से ऊर्जा उत्पादन इन सभी को कचरा प्रबन्धन या अपशिष्ट प्रबन्धन कहा जाता है। कचरा प्रबन्धन को सस्टेनेबल विकास का महत्वपूर्ण अवयव माना जाता है। सस्टेनेबल विकास का तात्पर्य पर्यावरण-मित्रता और दीर्घकालीन विकास से है।

इसी परिप्रेक्ष्य में विद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में समन्वित रूप से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य इस प्रकार है -

1. ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए विद्यालय द्वारा जागरूकता कार्यक्रम।
2. ग्रामीण परिवेश को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए छात्राओं की रैलियाँ एवं अभियान।
3. ठोस एवं तरल अपशिष्टों के पुनः चक्रण एवं पुनः उपयोग में लाने को बढ़ावा देना।
4. विद्यार्थी एवं शिक्षक अपने विद्यालयों में, अपने घरों में तथा अपने मुहल्लों में लोगों को यह सुनिश्चित कर सकते है, उन्हे बता सकते है कि लोग किसी भी प्रकार के अपशिष्टों को खुले स्थानों पर न फेंके।

Scanned with CamScanner

6. स्कूल प्रांगण को अपशिष्ट मुक्त स्कूल बनाने का प्रयास करें।
7. ई-अपशिष्ट [E-Waste] के लिए विशेष व्यवस्था करना।
8.

अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए तालीम के अन्तर्गत विद्यालयों में निम्न मॉडल हो सकते हैं—

1. अपशिष्ट निपटाने के विभिन्न तरीके हो सकते हैं- गड्ढा भराव, भस्मीकरण आदि।
2. कम लागत वाला और पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबन्धन
3. अपशिष्ट प्रबन्धन के लिए उन्नत उपकरणों की व्यवस्था
4. अपशिष्ट सामग्री के पुनश्चक्रण के विभिन्न तरीके या तकनीक
5. नाभिकीय, जैविक, चिकित्सा और रासायनिक अपशिष्ट के प्रबन्धन की जानकारी से अवगत कराना।
6. अपशिष्ट पदार्थों से ऊर्जा प्राप्त करना और नवाचारों तकनीकी से अवगत कराना।
7. कागज के दोनों ओर लिखने को बढ़ावा देना।
8. कूड़ा डालते समय रिसाइकिल की जाने वाली वस्तुओं को अलग डाले।
9. छात्रों को प्लास्टिक के कम से कम उपयोग करने के निर्देश देना।
10. मध्यान्ह भोजन से निकले पानी/झूठन/छिलके इत्यादि हेतु उपयुक्त निस्तारण किया जा सके।
11. समय पर कचरा प्रबन्धन के लिए कार्यशाला, सम्मेलन विचार गोष्ठियाँ आदि का आयोजन करना।
12. प्रोजेक्ट कार्य में अपशिष्ट प्रबन्धन से जुड़े विषय चुनना।
13. प्लास्टिक से होने वाली हानियों से अवगत कराना व इसका दुष्परिणाम बताना
14. पुराने कागजों व रद्दी से बर्तन बनाना
15. मूर्तिकला, पारंपरिक शिल्प आदि के निर्माण की जानकारी देना
16. अपशिष्ट से जैव उर्वरकों और जैव कीटनाशकों को तैयार कर इसका उपयोग स्कूल और किचन गार्डेन में प्रयोग करना व इसके प्रभाव का निरीक्षण करना।

Scanned with CamScanner